मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
ज्योतिष

जमा करने की अन्तिम तिथि – 15 मई 2015

कोर्स शीर्षक - जातक शास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त **कोर्स कोड – BAJY - 201**

शैक्षिक सत्र - 2014 – 15 **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड – 'क'

1. जातक शास्त्र से आप क्या समझते है ? संक्षिप्त रूप में लिखिए।
2. राशि क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
3. भाव किसे कहते है ? जन्मांग चक्र में द्वादश भावों को समझाते हुए नाम लिखिए।
4. तुला एवं मीन राशि का स्वरूप लिखिए ।
5. कारक को परिभाषित करते हुए स्पष्ट कीजिये ।
6. पंचम एवं सप्तम भाव फल का वर्णन कीजिए ।
7. ग्रह की परिभाषा देते हुए उसके शुभाशुभ का वर्णन कीजिये ।
8. ग्रह बल पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड - 'ख'

1. ग्रहों के मित्रामित्र का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये ।
2. ग्रहों के विभिन्न दृष्टि विचार का उल्लेख कीजिये।
3. द्वादश भावों का फल विचार लिखिये।
4. योगिनी दशा की व्याख्या कीजिये ।